



लखनऊ, बुधवार
26 दिसंबर 2018
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 3.00
पृष्ठ 18+4=22

दैनिक जागरण

अब मात्र
₹ 3.00
संस्करण से सुदृश्य



www.jagran.com

उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

2 दैनिक जागरण लखनऊ, 26 दिसंबर 2018

राजधानी

www.jagran.com

हर किसी के प्रयास से वार्ड को किया गया सम्मानित

जासं, लखनऊ : मंगलवार को जब गोमतीनगर के राजीव गांधी नगर वार्ड (द्वितीय) को नगर विकास मंत्री सुरेश खन्ना से सम्मान मिला तो वार्ड के हर किसी के चेहरे पर चमक दिखी। राज्य स्तरीय वार्ड स्वच्छता प्रतिस्पर्धा में इस वार्ड को प्रदेश में तीसरा और लखनऊ में पहला स्थान मिला है। इनाम पाने वाले इस वार्ड में सफाई सिर्फ नगर निगम के भरोसे नहीं थी। यहां के निवासियों ने सफाईदूत का काम किया और स्वच्छता के लिए खुद भी सड़कों पर उतरे।

स्वच्छता प्रोत्साहन समिति के वार्ड अध्यक्ष व पार्षद अरुण तिवारी का कहना है कि समिति के पदाधिकारी डॉ. बीआर सिंह, रामायण सिंह, उज्ज्वल चौधरी और जगरूप सिंह के साथ ही सभी निवासियों के सहयोग से ही वार्ड इनाम पाने का हकदार बना। कूड़े की छंटाई करके ही सफाई कर्मचारियों को दिया गया। वार्ड के मुख्य बाजारों में रात में भी सफाई हो रही है। खास बात यह कि वह खुद ही सुबह उठकर सफाई व्यवस्था को देखते रहे और स्वच्छता प्रोत्साहन समिति के पदाधिकारी भी उनके साथ कंधे से कंधा मिलवार काम करते रहे। कागज के टुकड़ों, फलों के छिलकों, अन्य अनुपयोगी चीजों को निर्धारित जगह फेंकने की सलाह लोगों को दी गई। इससे जगह-जगह कूड़ा न फैलने में सुधार आया।

इसी तरह पार्कों पर विशेष ध्यान दिया गया। मौसमी फूलों के साथ ही पौधरोपण किया गया। जाड़ा चालू होते ही धूल और धुआं के प्रति लोगों को जागरूक किया गया और बताया गया कि ऐसा कुछ खुले में न जलाएं, जिससे वायु प्रदूषण बढ़े। सफाईकर्मियों को नगर निगम का पट्टा



पार्षद अरुण तिवारी

इन्हें मिला सम्मान

राजीव गांधी नगर वार्ड (द्वितीय) के पार्षद अरुण तिवारी, स्वच्छता प्रोत्साहन समिति के वार्ड अध्यक्ष डा. बीआर सिंह, सचिव रामायण सिंह।



वार्ड स्वच्छता प्रोत्साहन समिति के शहर संयोजक सुनील मिश्र भी किए गए सम्मानित



राजीव गांधी वार्ड (द्वितीय) में पार्षद व यहां के निवासी सफाई की करते हैं देखरेख (फाइल फोटो)

और ट्राली दी गई, जिसमें नगर निगम लिखाया गया। इससे काम करने की शैली बदली और इसका लाभ सफाई में मिला। सफाई और कूड़ा उठाने को सुबह साढ़े छह बजे से कराया गया। हर कोई समय पर ही कूड़ा देने लगा। अनुपयोगी होर्डिंगों को सड़क के पास से हटाकर

पैदल चलने वालों को सुविधा दी गई। पार्कों में कम्पोस्ट खाद बनवाने के लिए गड्ढे खुदवाए गए और वैज्ञानिक पद्धति से सड़ने वाला कूड़ा, पेड़ पौधे के पत्ते, खत पतवार, कागज के टुकड़ों का उपयोग करके खाद बनाई गई। खाद की पूर्ति पार्क में होने के बाद उसे बेचा जाएगा।